दयानंद महाविद्यालय हिसार

हिंदी-विभाग

शैक्षणिक कैलेंडर

सत्र 2025-26

1. **विस्तार व्याख्यान एवं पुस्तकालय भ्रमण**: 30.08.2025
2. **हिंदी साहित्यिक निबंध लेखन प्रतियोगिता**: 05.09.2025
3. **हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता**: 16.09.2025
4. **हिंदी साहित्यिक चित्रांकन प्रतियोगिता**: 16.10.2025
5. **मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता**: 09.10.2025
6. **काव्य सृजन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला**: 13.10.2025
7. **सूक्ति लेखन एवं चित्रांकन प्रतियोगिता**: 11.03.2026
8. **पुस्तक प्रदर्शनी**: 02.04.2026

दयानन्द महाविद्यालय, हिसार में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत हिंदी व संस्कृत विभाग द्वारा विद्यार्थियों को पुस्तकालय का भ्रमण

-पाठकपक्ष न्यूज़-

हिसार, 30 अगस्त : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत हिंदी व संस्कृत विभाग द्वारा पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को पुस्तकालय का भ्रमण करवाया गया और विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्यवक्ता महाविद्यालय पुस्तकालय के अध्यक्ष डॉ रमेश शर्मा रहे। इस कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ मोनिका नरेश ने मुख्यवक्ता को तुलसी का पौधा देकर स्वागत किया और पुस्तकालय के महत्व पर भी प्रकाश डाला। मुख्यवक्ता ने बताया कि पुस्तकालय में किस तरह से पुस्तकों को व्यवस्थित रूप से रखा जाता है व हम किस तरह से पुस्तकालय में जाकर अपनी जरूरत के अनुसार पुस्तकों को ले सकते हैं। उन्होंने पुस्तकालय में पुस्तकों को सुरक्षित रखने के पुरातन तरीको से लेकर आधुनिक तरीके भी बताएं। उन्होंने बताया कि जो काम शरीर में दिल का होता है वही काम किसी स्कूल, महाविद्यालय व किसी भी संस्थान में पुस्तकालय का होता है। पुस्तकालय का ज्ञान विद्यार्थियों के पठन कौशल को भी प्रोत्साहित करता है। पुस्तकालय के माध्यम से पुस्तकों को पढ़ना एक कला है और यह हर कदम पर हमारा मार्गदर्शन करते हुए ज्ञानवर्धन भी करते हैं। मुख्य अतिथि डॉ विक्रमजीत सिंह ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों के भौतिक और रचनात्मक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। मंच संचालन डॉ माया ने किया। कार्यक्रम के समापन पर डॉ संगीता शर्मा ने मुख्यवक्ता के साथ-साथ वहां उपस्थित सभी प्राध्यापकगण व विद्यार्थीगण का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ सुमंगला वशिष्ठ, डॉ सुरेंद्र बिश्नोई, डॉ संतोष, डॉ सुमन, डॉ दीपक, प्रो अमरनाथ, प्रो विजेंद्र व काफी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

डी.एन. कॉलेज में हिंदी दिवस के उपलक्ष पर हिंदी काव्य-पाठ, संस्कृत श्लोकोच्चारण व निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

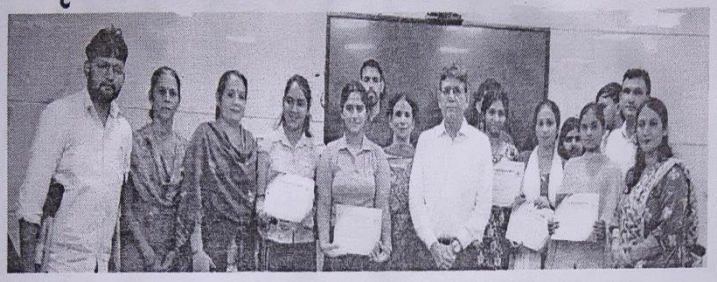

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 16 सितम्बर : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार में हिंदी पखवाड़े की अंतर्गत हिंदी व संस्कृत विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष डॉ मोनिका नरेश की अध्यक्षता में हिंदी दिवस के उपलक्ष पर हिंदी काव्य-पाठ, संस्कृत श्लोकोच्चारण व निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की शुरुआत में विभागाधयक्ष डॉ मोनिका नरेश ने हिंदी भाषा महत्व के बारे में गहनता से जानकारी देते हुए कहा कि हर रोज हिंदी दिवस है इसे एक दिन की सीमा में बांधना जरूरी नहीं है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विक्रमजीत सिंह ने प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ते हुए कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना विजेता होने से भी ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। ये प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को उनकी अपनी विशिष्ट प्रतिभा से परिचित कराने के लिए एक ऐसा मंच प्रदान करती है जिसके माध्यम से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि व अभिव्यक्ति में कुशलता हासिल हो सके। काव्य-पाठ प्रतियोगिता में लगभग 40 विद्यार्थियों ने भाग लेकर उत्साह पूर्वक अपने मनोभावों को काव्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में पूर्णिमा बीएसी तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान, आरती द्वितीय वर्ष ने द्वितीय स्थान, रीया बीए द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्कृत श्लोकोच्चारण में सिमरा बीएसी तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान, सुनैना बीए तृतीय वर्ष ने द्वितीय स्थान व परी बीए तृतीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका प्राध्यापक डॉ दीपक, अमरनाथ तथा राजू ने निभाई। मंच संचालन डॉ माया व सुश्री रिषा द्वारा किया गया। इसी श्रृंखला में निबंध प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ सुमंगला वशिष्ठ, डॉ सुमन बाला, डॉ संतोष रानी ने निभाई। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान देविका बीए द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान सार्थक बीए द्वितीय वर्ष ने व तृतीय स्थान पूजा बीए तृतीय वर्ष ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन पर डॉ सुरेंद्र बिश्नोई ने प्राचार्य महोदय के साथ-साथ प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर डॉ संगीता शर्मा, डॉ सुरेंद्र बिश्नोई, डॉ सुमंगला वशिष्ठ, डॉ संतोष रानी, डॉ सुमन बाला, विजेंदर, अन्य प्राध्यापकगण व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दयानन्द महाविद्यालय, हिसार में करवाचौथ के उपलक्ष में मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता का आयोजन

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 9 अक्टूबर : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार में हिंदी व संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका नरेश के तत्वाधान में करवाचैथ के उपलक्ष में मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में काफी संख्या में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। श्रेष्ठ मेहंदी लगाने वाले विद्यार्थियों को सर्वोत्तम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल की भूमिका अंग्रेजी विभाग से डॉ. संगीता मलिक व वाणिज्य विभाग से प्रो. मोनिका ने निभाई। इस अवसर पर हिंदी विभाग

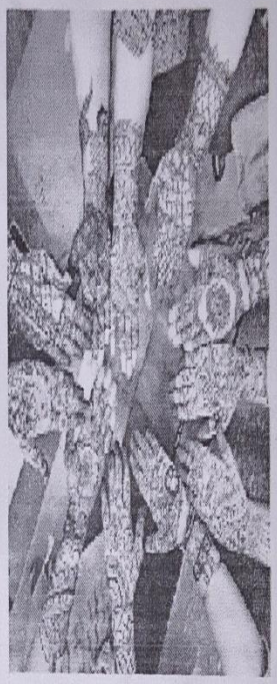

से डॉ. संगीता शर्मा, डॉ. सुमंगला वशिष्ठ, डॉ. संतोष रानी, डॉ. सुमन बाला, डॉ. माया के साथ-साथ महाविद्यालय से काफी संख्या में प्राध्यापकगण व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दयानंद महाविद्यालय, हिसार

हिंदी विभाग

एक दिवसीय कार्यशाला

विषय : काव्य सृजन

मुख्य वक्ता
डॉ मनोज छाबड़ा
प्राचार्य, GSSS चमार खेड़ा, हिसार

13 अक्टूबर,2025 समय: सुबह 10 बजे
कमरा नं. 118

संरक्षक
डॉ. विक्रमजीत सिंह
प्राचार्य

संयोजक
डॉ. मोनिका कक्कड़,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग

दयानन्द महाविद्यालय, हिसार में डिबेटिंग सोसाइटी द्वारा साहित्यिक विधाओं पर कार्यशाला का आयोजन

-पाठकपक्ष न्यूज-

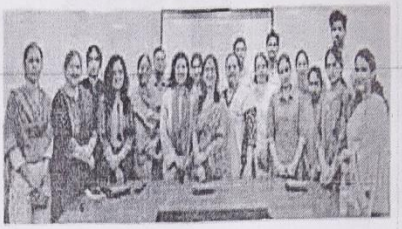

हिसार, 4 नवम्बर : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार में डिबेटिंग सोसाइटी द्वारा साहित्यिक विधाओं पर एक उपयोगी एवं प्रेरणादायक कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला विद्यार्थियों को साहित्य की विविध विधाओं जैसे कविता, निबंध, कहानी लेखन एवं आलोचना से परिचित कराने तथा उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति को मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई, जो महाविद्यालय की समग्र शिक्षा नीति के अनुरूप है। कार्यशाला में डिबेटिंग सोसाइटी की प्रभारी प्रोफेसर डॉ शम्मी नागपाल ने साहित्यिक विधाओं के मूल सिद्धांतों, रचनात्मक लेखन की तकनीकों तथा आधुनिक संदर्भों में उनकी प्रासंगिकता पर विस्तृत व्याख्यान दिया। इसी क्रम में डॉ. छवि मंगला ने साहित्य के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को उजागर करने की कला पर प्रकाश डाला। इन व्याख्यानों ने विद्यार्थियों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान किया, अपितु व्यावहारिक अभ्यास के माध्यम से उनकी बहस एवं लेखन कौशल को निखारने में भी सहायक सिद्ध हुए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए साहित्य की शक्ति पर बल दिया। उन्होंने कहा कि साहित्यिक विधाओं का अध्ययन न केवल बौद्धिक विकास करता है, बल्कि समाज को दिशा प्रदान करने का माध्यम भी है। ऐसी गतिविधियां हमारे विद्यार्थियों को वैश्विक पटल पर प्रतिस्पर्धी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्राचार्य महोदय ने कार्यशाला के आयोजन की सराहना की तथा डिबेटिंग सोसाइटी को भविष्य में और अधिक रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक गतिविधियों के डीन प्रो. विजय सिंह ने साहित्य एवं संस्कृति के अंतर्संबंध पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर डॉ. रेनू राठी, डॉ. संगीता शर्मा, डॉ. सुरुचि शर्मा, डॉ. सुरेंद्र बिश्नोई, डॉ. सुमंगला वशिष्ठ, डॉ. नीरू बाला, डॉ. चेतन शर्मा, डॉ. हेमंत शर्मा एवं प्रो. शालू रानी, डॉ. माया, डॉ. रितु सरदाना, रोहित, डॉ. संतोष रानी, डॉ. सुमन भाम्भू, सोनम, बृजेन्द्र, राजू ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यशाला के अंत में साहित्यिक विधाओं पर आधारित समूह चर्चा एवं लेखन सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन महाविद्यालय की परंपरा के अनुरूप साहित्यिक चेतना को जागृत करने में सफल रहा।

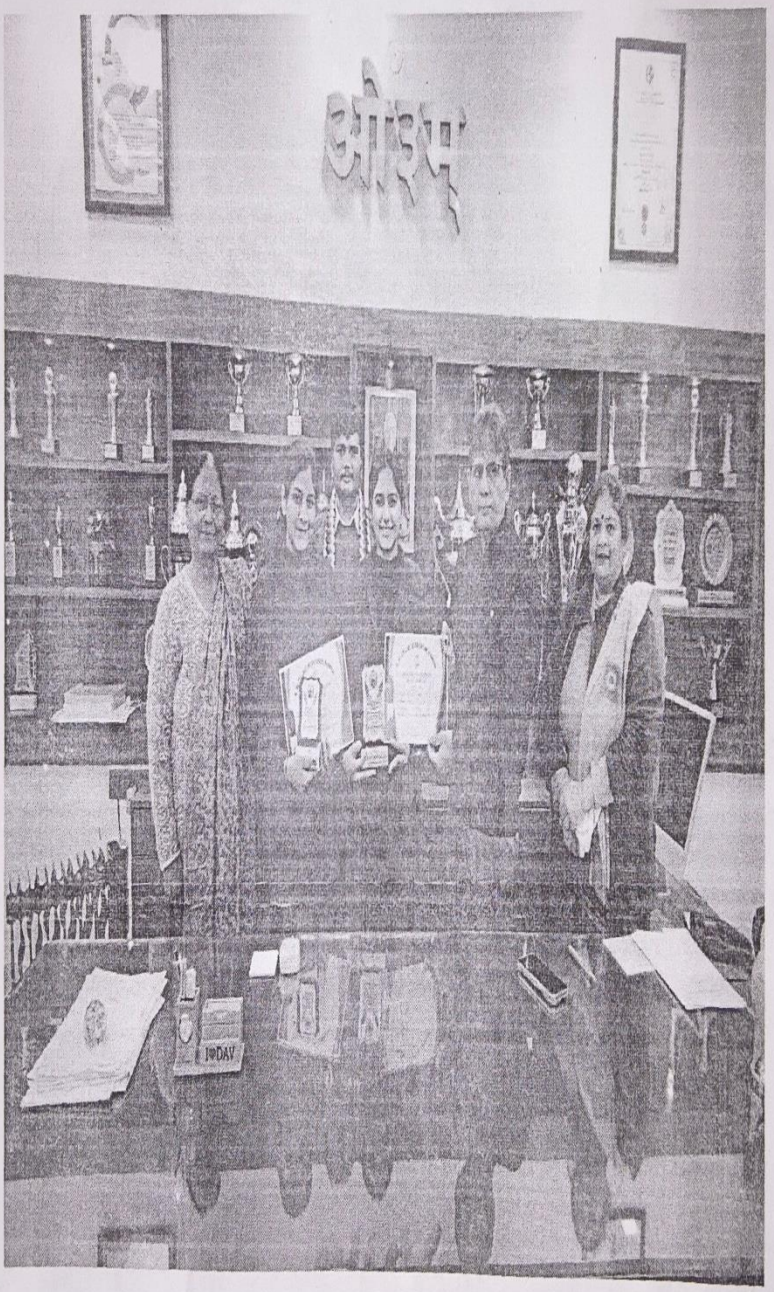

4.

'राष्ट्रीय कविता पाठ' प्रतियोगिता में खुशबू प्रथम, रिषभ व स्नेहा द्वितीय

खुशबू (प्रथम पुरस्कार)।

रिषभ (द्वितीय पुरस्कार)।

स्नेहा (द्वितीय पुरस्कार)।

आरती (तृतीय पुरस्कार)।

पानीपत,11 जनवरी (खर्ब) : जी.टी. रोड स्थित आई. बी. (पी. जी.) महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. सुनीता एवं डॉ. निर्मला के संयुक्त निर्देशन में 'विश्व हिन्दी दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित 'राष्ट्रीय कविता पाठ' प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों की 30 टीमों ने प्रतिभागिता की। सभी प्रतिभागियों ने 'हिन्दी है पहचान हमारी' विषय पर बेहतरीन प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता में आर्य पी.जी.महाविद्यालय, पानीपत की खुशबू ने प्रथम, आई. बी. (पी. जी.) महाविद्यालय, पानीपत के रिषभ तथा के. एल. मेहता दयानंद महाविद्यालय, फरीदाबाद की स्नेहा ने संयुक्त रूप से द्वितीय, दयानंद महाविद्यालय, हिसार की आरती ने तृतीय तथा आर्य कन्या महाविद्यालय, मोर माजरा की रीतिका ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

रीतिका (सांत्वना पुरस्कार)। (सुखजिंद)

प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मलिक ने कहा कि आज हिन्दी विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी है। कला, वाणिज्य, सिनेमा कोई भी क्षेत्र हो वहां हिन्दी का महत्त्व बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि हिन्दी के क्षेत्र में आज रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। हमारा महाविद्यालय हिन्दी भाषा की इस महत्ता को समझते हुए तथा विद्यार्थियों में इस संबंध में रुचि जागृत करने के लिए लगातार इस तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित करवाता है। विजेता विद्यार्थियों को नकद राशि व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

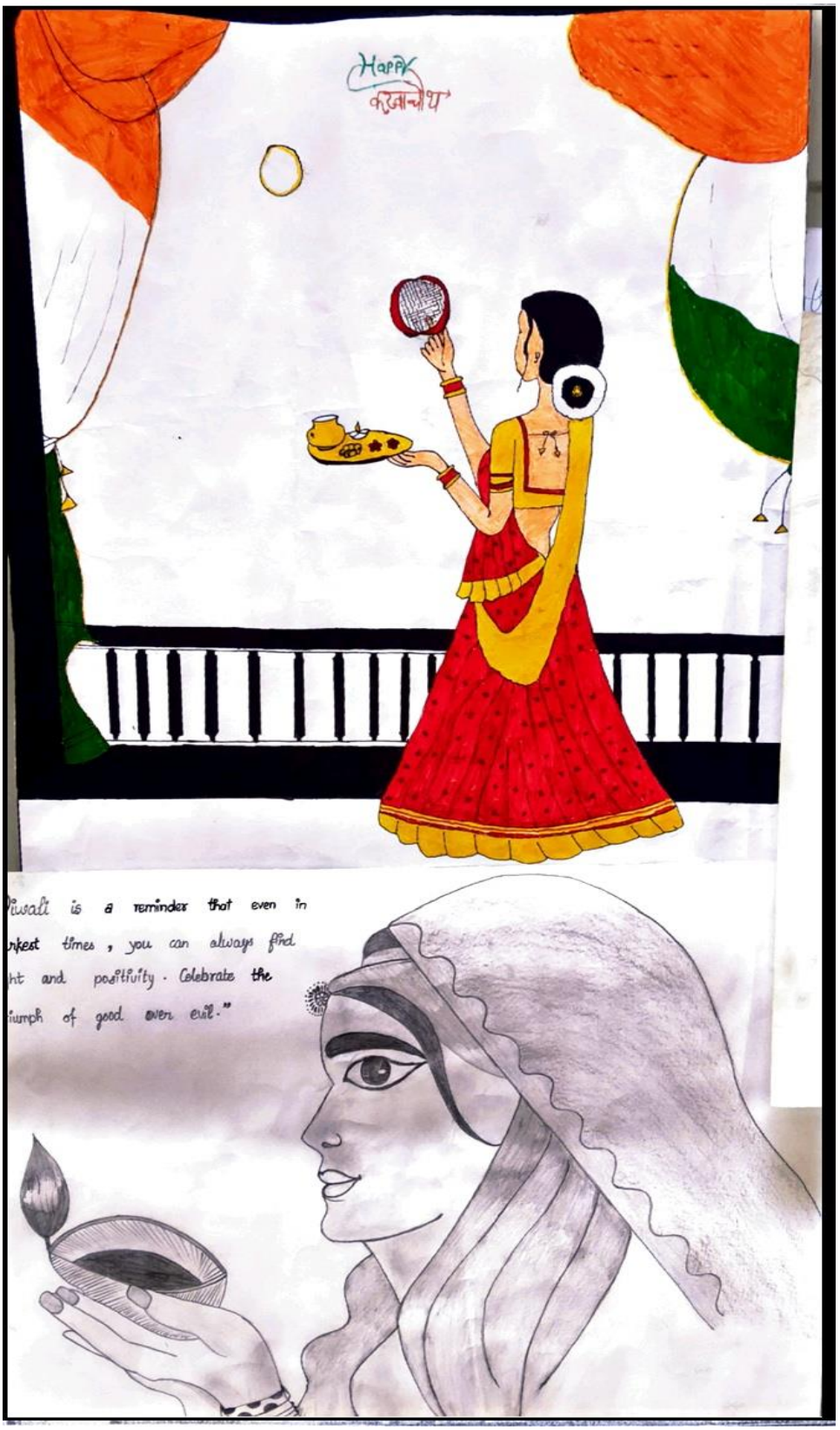

Happy
करवाचौथ

iwali is a reminder that even in
rkest times, you can always find
ht and positivity. Celebrate the
iumph of good over evil."

दयानन्द महाविद्यालय, हिसार में भव्य पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित

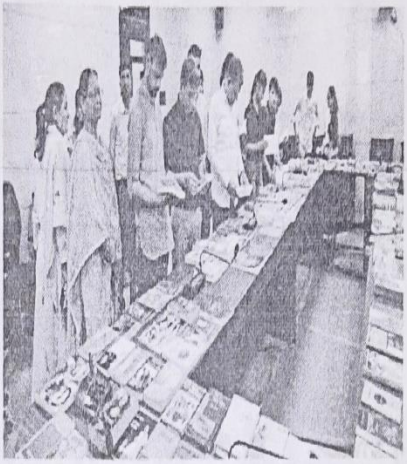

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 3 अप्रैल : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के हिंदी एवं संस्कृत विभाग द्वारा आज कॉलेज परिसर में एक भव्य पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन-पाठन की संस्कृति को पुनर्जीवित करना और उन्हें हिंदी साहित्य की समृद्ध विरासत से परिचित कराना रहा। प्रदर्शनी में हिंदी साहित्य की कालजयी कृतियों के साथ-साथ विभिन्न ज्ञानवर्धक विषयों की पुस्तकों का बड़ा संग्रह प्रदर्शित किया गया। विशेष आकर्षण के रूप में भारतीय एवं विदेशी भाषाओं से हिंदी में अनूदित पुस्तकों का संकलन भी रखा गया, जिसने साहित्य-प्रेमियों का ध्यान खींचा। इसी कड़ी में इतिहास विभाग के प्रोफेसर महेंद्र सिंह द्वारा स्वरचित पुस्तकें भी प्रदर्शित की गईं। कार्यक्रम के संरक्षक व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डिजिटल युग में भी पुस्तकों की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। पुस्तकें न केवल ज्ञान का माध्यम हैं, बल्कि वे हर दौर में इंसान की सबसे सच्ची मार्गदर्शक बनी रहती हैं। इस सफल आयोजन का संयोजन डॉ. संगीता शर्मा ने किया, जबकि डॉ. सुरेन्द्र बिश्नोई एवं डॉ. सुमंगला वशिष्ठ ने सह-संयोजक के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई।

इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुमन बाला, डॉ. माया, डॉ. संतोष रानी, प्रोफेसर अमरनाथ, प्रोफेसर दिगपाल, प्रोफेसर बिजेंद्र सिंह और डॉ. दीपक सहित महाविद्यालय के अनेक शिक्षकगण मौजूद रहे। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भी प्रदर्शनी में शिरकत की और विभिन्न विधाओं की पुस्तकों के माध्यम से अपने ज्ञान के दायरे को बढ़ाया।